कुमार जीवन - 23

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ **कुमारों के साथ :-** (1) **कुमार जीवन में बाप का बनना - कितने भाग्य की निशानी है! ऐसे अनुभव करते हो कि हम कितने बन्धनों में जाने से बच गये? कुमार जीवन अर्थात् अनेक बन्धनों से मुक्त जीवन।** किसी भी प्रकार का बन्धन नहीं। देह के भान का भी बन्धन न हो। इस देह के भान से सब बन्धन आ जाते हैं।

➳ _ ➳ तो **सदा अपने को आत्मा भाई-भाई हैं - ऐसे ही समझकर चलते रहो। इसी स्मृति से कुमार जीवन सदा निर्विघ्न आगे बढ़ सकती है।** संकल्प वा स्वप्न में भी कोई कमज़ोरी न हो इसको कहा जाता है - विघ्न विनाशक। **बस चलते फिरते यह नैचरल स्मृति रहे कि हम आत्मा हैं। देखो तो भी आत्मा को, सुनो तो भी आत्मा होकर। यह पाठ कभी भी न भूले।**

➳ _ ➳ कुमार सेवा में तो बहुत आगे चले जाते हैं लेकिन सेवा करते अगर स्व की सेवा भूले तो फिर विघ्न आ जाता है। कुमार अर्थात् हार्ड वर्कर तो हो ही लेकिन निर्विघ्न बनना है। स्व की सेवा और विश्व की सेवा दोनों का बैलेन्स हो। **सेवा में इतने बिजी न हो जाओ जो स्व की सेवा में अलबेले हो जाओ।** क्योंकि कुमार जितना अपने को आगे बढ़ाने चाहें बढ़ा सकते हैं।

➳ _ ➳ कुमारों में शारीरिक शक्ति भी है और साथ-साथ दृढ़ संकल्प की भी शक्ति है इसलिए जो चाहे कर सकते हैं, इन दोनों शक्तियों द्वारा आगे बढ़ सकते हैं। लेकिन **बैलेंस की कला चढ़ती कला में ले जाएगी।** स्व सेवा और विश्व की सेवा, दोनों का बैलेंस हो तो **निर्विघ्न वृद्धि होती रहेगी।**

➢➢ इस संसार का निर्विवाद सत्य

➳ _ ➳ इस संसार के सभी सुख दुःख ही लेकर आते हैं

→ जो सुख महसूस होते हैं

- वह सिर्फ एक भ्रम मात्र है

➳ _ ➳ **Sum Total Of All The Happiness In This World Is Equal To Sorrow**

→ यह इस जीवन का अटल सत्य है

- इस सत्य को अति गहराई में जाकर समझना अर्थात धर्म की और चलना

➢➢ मनसा सेवा से बन्धनों को समाप्त करें

➳ _ ➳ जिनके साथ हिसाब किताब वर्तमान में चल रहा है

➳ _ ➳ और जिनके साथ हिसाब किताब भविष्य में आने वाला है

➳ _ ➳ दृढ़ता से संकल्प करें

→ हमें बंधन स्वीकार ही नहीं है

➳ _ ➳ संकल्पों से अपने बंधन को समाप्त करें

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➳ _ ➳ "सवार्थी भव"

→ पुरुषार्थ के इस मार्ग पर यह वरदान स्वीकार करें

➳ _ ➳ जिसने पुरुषार्थ करना है

→ वो कैसे भी करके उसक लिए समय चुरा ही लेगा

- पर कोई बहाना नहीं देगा

➳ _ ➳ अगर ज्ञान छोड़कर सिर्फ योग ही करते रहोगे

→ तो शक्ति नहीं आएगी

➳ _ ➳ अगर योग छोड़कर सिर्फ ज्ञान ही सुनते रहोगे

→ तो भी शक्ति नहीं आएगी

➳ _ ➳ किसी भी बात की अति में न जाएँ

→ हमेशा Balance (संतुलन) बनाकर रखें

- **BALANCE IS THE ART OF LIFE**